

---

# Navavarsha Shubha Gitam

---

## नववर्षशुभगीतम्

---

### Document Information



---

Text title : Navavarsha Shubha Gitam

File name : navavarShashubhagItam.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : vijayan vi. paTTAmbI

Acknowledge-Permission: Vijayan V. Pattambi

Latest update : August 11, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 12, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



नववर्षशुभगीतम्



जय जय मङ्गलवर्ष समागत  
जय जय हर्षद कालरूपिन् ॥

नववर्ष संगम सुदिनसमागमे  
हृदयप्रकर्षो मे ज्वलति तीव्रम् ।  
नववर्षसंजात पल्लवजालेन  
हृदयं हरतीव बालचूतः ॥

जय जय ..

मधुमत्तकोकिलैः सुमदलगन्धैश्च  
जनुवरिमासोयं हृदयहारी ।  
सुरभिलवायुना मृदुपुष्पकेलिभि-  
रनुदिनं चित्तमपहरति ॥

जय जय ..


लसतां विलसतामानन्दसागरो  
हृदयेषु मानवमन्दिरेषु ।  
मधुरं च मङ्गलं तावक जीवन-  
मनुदिनं वर्षेऽस्मिन् भवतु मित्र ॥

जय जय ..


हरतु वो दूरितान्यखिलानि सर्वेश  
कृपया जगत्रयपालकस्य ।  
भवतु जगदयं सुखदो निरामयो  
नववर्षहर्षेषु मङ्गलेषु ॥

जय जय ..

- विजयन् वि. पट्टाम्बि

——  
*Navavarsha Shubha Gitam*

pdf was typeset on August 12, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

